an>

Title: Issue regarding increasing pollution level in air in the country.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष महोदया, वायु प्रदूषण के कारण देश के शहरों, दिल्ली सहित चेन्नई, कोलकाता और मुंबई सभी शहरों में धूल और धूएं की बहुत बड़ी काली परत छा गई थी, ...(व्यवधान) जो हमने दीपावली के समय देखा था, ...(व्यवधान) उसके कारण लोगों को सांस लेना भी कठिन हो गया था। ...(व्यवधान) 'ग्रीन पीस' संगठन पर्यावरण के क्षेत्र में चालीस से भी ज्यादा देशों में काम कर रहा है, ...(व्यवधान) उसकी रिपोर्ट के अनुसार हमारा देश वायु प्रदूषण के मामले में चीन से भी आगे निकल गया है।...(व्यवधान) भारतीय वायुमंडल का सच कहता है कि पिछले एक दशक में हमारा आकाश तमाम तरह की जहरीली गैसों से भर गया है।...(व्यवधान) विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण विश्व में हर साल सात मिलियन लोग मर रहे हैं।...(व्यवधान) केवल भारत में वर्ष 2010 में 5,20,000 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।...(व्यवधान) प्रदूषण के कारण लोग अपनी स्वाभाविक जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं।...(व्यवधान) आज प्रदूषित हो रहे पर्यावरण को बचाना, हमारे सामने एक गंभीर चुनौती है।...(व्यवधान)

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि देश में सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की पहचान करके और उस क्षेत्र में तत्काल रोक लगा कर, पर्यावरण को बचाने का प्रयास किया जाये।...(व्यवधान) धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री शिवकुमार उदासि,

श्री निशिकान्त दुबे,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र जी को वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।